Q1. युगल शतक के रचयिता है-

(a) हरिव्यास देव

(b) परशुराम देव

(c) निम्बार्काचार्य

(d) श्री कृष्ण भट्ट

Ans: d

Q2. श्री कृष्ण भट्ट अवतार माने जाते हैं-

(a) चन्द्रसखी के

(b) हितुसखी के

(c) चन्द्रमौलि के

(d) महाबलि के

Ans: b

Q3. 'महावाणी' नामक रचना के रचयिता है-

(a) हरिव्यास देव

(b) परशुराम देव

(c) श्री कृष्ण भट्ट

(d) निम्बार्काचार्य

Ans: a

Q4. हरिव्यास देव के शिष्यों की संख्या है-

(a) 15

(b) 12

(c) 10

(d) 18

Ans: b

Q5. हरिव्यास देव शिष्य थे-

(a) परशुराम देव के

(b) श्री कृष्णभट्ट के

(c) निम्बार्काचार्य के

(d) मध्वाचार्य के

Ans: b

Q6. परशुराम देव की रचना है-

(a) युगल शतक

(b) पुरुष रामायण

(c) परशुराम शतक

(d) परशुराम सागर

Ans: d

Q7. निम्बार्क सम्प्रदाय की पीठ को ब्रजमण्डल से सलेमाबाद अजमेर में स्थानान्तरित किया-

(a) निम्बार्काचार्य ने

(b) परशुराम देव ने

(c) श्री कृष्ण भट्ट ने

(d) हरिव्यास देव ने

Ans: b

Q8. राधा वल्लभ सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे-

(a) हितहरिवंश

(b) वल्लभाचार्य

(c) काशीनंद मुनि

(d) निम्बार्काचार्य

Ans: a

Q9. राधा वल्लभ सम्प्रदाय के प्रवर्तक स्वामी हितहरिवंश का जीवन काल रहा-

(a) 1402 से 1475 ई.

(b) 1502 से 1573 ई.

(c) 1602 से 1667 ई.

(d) 1610 से 1690 ई.

Ans: b

Q10. हितहरिवंश के गुरु का नाम था-

(a) गोकुल भट्ट

(b) कृष्ण भट्ट

(c) गोपाल भट्ट

(d) परशुराम देव

Ans: c

Q11. राधा वल्लभ सम्प्रदाय की स्थापना हुई थी-

(a) 1534 ई. में

(b) 1540 ई. में

(c) 1543 ई. में

(d) 1554 ई. में

Ans: a

Q12. स्वामी हितहरिवंश को अवतार माना जाता है-

(a) सुदर्शन चक्र का

(b) कृष्ण की वंशी का

(c) कृष्ण की लर्कुट का

(d) श्री राधा का

Ans: b

Q13. किस सम्प्रदाय में राधा का स्थान कृष्ण से ऊँचा है-

(a) वल्लभ सम्प्रदाय में

(b) राधावल्लभ सम्प्रदाय में

(c) श्री सम्प्रदाय में

(d) निम्बार्क सम्प्रदाय में

Ans: b

Q14. राधा वल्लभ सम्प्रदाय की स्थापना की गई-

(a) वृंदावन में

(b) मथुरा में

(c) द्वारिका में

(d) उज्जैन में

Ans: a

Q15. राधा वल्लभ सम्प्रदाय में कृष्ण को नाम दिया गया है-

(a) कृष्ण बिहारी

(b) श्याम बिहारी

(c) नित्य बिहारी

(d) राधा बिहारी

Ans: c

Q16. राधा वल्लभ सम्प्रदाय में उपासना का आधार है-

(a) श्रृंगार

(b) भक्ति

(c) वैराग्य

(d) रस

Ans: d

Q17. 'सेवक वाणी' नामक रचना के रचियता है-

(a) हरिव्यास देव

(b) हरिराम व्यास

(c) दामोदर दास

(d) हित हरिवंश

Ans: c

Q18. हरिराम व्यास की रचना है-

(a) व्यासवाणी

(b) रागमाला

(c) a व b दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans: c

Q19. ''बड़ौ अभाग अनन्त सभा को।

उठ गयो ठाठ सिंगार, हुतौ सब रसिकन को आधार।।"

स्वामी हित हरिवंश की मौत पर ये पंक्तियाँ लिखी थी-

(a) हरिराम व्यास ने

(b) हरिव्यास देव ने

(c) दामोदर दास ने

(d) राधामुकुंद देव ने

Ans: a

Q20. हरिराम व्यास को अवतार माना जाता है-

(a) हितुसखी का

(b) विशाख सखी का

(c) राधा सखी का

(d) कृष्ण सखी का

Ans: b

Q21. 'हितजू को मंगल', 'द्वादश यश' , 'भक्ति प्रताप' रचनाओं के रचयिता है-

(a) हरिराम व्यास

(b) चतुर्भुज दास

(c) हरिव्यास देव

(d) हित हरिवंश

Ans: b

Q22. राधा वल्लभ सम्प्रदाय के कवि चतुर्भुजदास को अष्टछाप का कवि होने का भ्रम पाल लिया था-

(a) मिश्र बन्धुओं ने

(b) रामचन्द्र शुक्ल ने

(c) रामकुमार वर्मा ने

(d) उपर्युक्त सभी ने

Ans: d

Q23. राधा वल्लभ सम्प्रदाय के चतुर्भुज दास व अष्टछाप के कवि-चतुर्भुदास क अलग-अलग व्यक्ति होन की पुष्टि की -

(a) गणपति चन्द्र गुप्त ने

(b) गार्सा दा तांसी ने

(c) शिवसिंह सेंगर ने

(d) दीनदयाल गुप्त ने

Ans: d

Q24. किसके बारे में ऐसी मान्यता है कि इन्होनें स्वप्न में हितहरिवंश से दीक्षा लेकर राधा वल्लभ सम्प्रदाय में प्रवेश किया-

(a) दामोदर दास

(b) चतुर्भुज दास

(c) ध्रुवदास

(d) हरिराम व्यास

Ans: c

Q25. 'भक्त नामावली' व 'हित श्रृंगार' के रचयिता है-

(a) ध्रुवदास

(b) दामोदरदास

(c) चतुर्भुज दास

(d) हरिराम व्यास

Ans: a

Q26. 'राधाष्टक' नाम रचना के रचयिता है-

(a) दामोदरदास

(b) नेही नागरीदास

(c) ध्रुवदास

(d) चतुर्भुजदास

Ans: b

Q27. निम्न में से हित हरिवंश की रचना है-

(a) हित चौरासी

(b) राधा सुधानिधि

(c) यमुनाष्टक

(d) उपर्युक्त सभी

Ans: d

Q28. 'हित चौरसी' पर टीका लिखी

(a) प्रेमदास

(b) लोकनाथ कवि

(c) a व b दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans: c

Q29. स्वामी हित हरिवंश की अधूरी रचना मानी जाती है-

(a) यमुनाष्टक

(b) राधासुधानिधि

(c) हित चौरासी

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans: c

Q30. सखी सम्प्रदाय के प्रवर्तक है-

(a) हरिदास निरंजनी

(b) स्वामी हरिदास

(c) हित हरिवंश

(d) हरिहर दास

Ans: b